मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 02 जुलाई, 2025

मुक्त विश्वविद्यालय में स्वयंप्रभा कार्यक्रम की संचालन और क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन के तत्वाधान में स्वयंप्रभा कार्यक्रम की संचालन और क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 02 जुलाई, 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की रूपरेखा स्वयं प्रभा के नोडल प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने प्रस्तुत की। संचालन सेंटर फॉर ऑनलाइन सेंटर की सहायक निदेशक डॉ साधना श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन सेंटर के डिप्टी डायरेक्टर डॉ सी. के. सिंह ने किया। स्वयंप्रभा कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय सभी विद्याशाखाओं के निदेशकगण, विश्वविद्यालय के शिक्षक, आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य के साथ–साथ विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

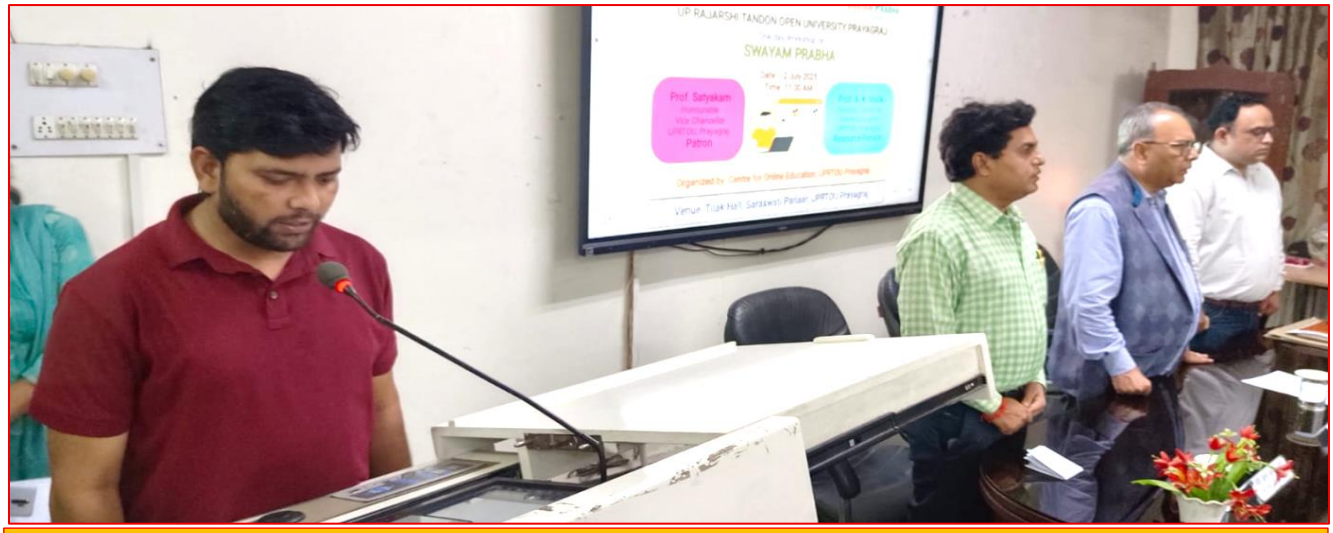

विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत करते हुए असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संवि.) श्री निकेत सिंह

कार्यक्रम का संचालन करती हुई सेंटर फॉर ऑनलाइन सेंटर की सहायक निदेशक डॉ0 साधना श्रीवास्तव

कार्यक्रम की रूपरेखा और मुख्य वक्ता के बारे में बताते हुए स्वयंप्रभा के नोडल प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सगत करते हुए डॉ0 सी0 के0 सिंह

अतिथिगणों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त विश्वविद्यालय की परिकल्पना में स्वयं प्रभा एक निर्णायक कदम : प्रोफेसर मलिक

प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक

कार्यशाला के मुख्य वक्ता सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन के निदेशक प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक ने विस्तार से सभी को स्वयंप्रभा कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार से स्वयं प्रभा कार्यक्रमों का प्रारूप बनाया जाता है और वर्तमान में किस तरह से वर्चुअल दुनिया में स्वयंप्रभा कार्यक्रम शिक्षा और ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं। तकनीकी संसाधनों और विज्ञान के युग में आम जनमानस तक शिक्षा को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को साकार करते उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परिकल्पना में स्वयं प्रभा एक निर्णायक कदम होगा। स्वयं प्रभा कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 12 शिक्षकों के बनाए गए प्रस्ताव स्वीकृत हैं और इसी कड़ी में अन्य प्रस्तावों की भी रूपरेखा तैयार की गई।

स्वयं प्रभा चौनल के लिए 400 वीडियो लेक्चर बनाएगा राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय : – प्रोफेसर सत्यकाम

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में स्वयं प्रभा चौनल के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए 400 वीडियो लेक्चर तैयार किए जाने हैं। इसके लिये लेक्चर की तैयारी पूरी कर लें। कार्यक्रमों की शूटिंग शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर ए के मलिक सभी समन्वयकों को शेड्यूल बनाकर वितरित करेंगे। कुलपति ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक 1000 वीडियो लेक्चर का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिन शिक्षकों ने अभी तक प्रपोजल नहीं दिया है वे शीघ्र अपना प्रपोजल दे दें। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हमारा उद्देश्य डिस्टेंस एंड डिजिटल यूनिवर्सिटी के रूप में ख्याति अर्जित करना है। कार्यशाला के दौरान कलपति ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए प्रतिभागी शिक्षकों के उत्साह वर्धन के साथ–साथ तकनीकी और बुनियादी जानकारी साझा किया। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय स्वअध्ययन सामग्री के साथ–साथ अब तकनीकी रूप से भी समृद्धि और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्वयं प्रभा कार्यक्रम प्रसारण के जरिए आम जनमानस तक विभिन्न विषयों की जानकारी पहुंचाएगा।